

भारत सरकार
Government of India
केन्द्रीय जल आयोग
Central Water Commission
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय
Flood Forecast Monitoring Directorate

Tele : 011-29583829, 29583545

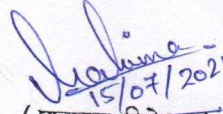
e-mail : fmdte@nic.in, ffwmcwc@gmail.com

भू. तल, विंग 7, पश्चिमी खण्ड-2,
रामाकृष्ण पुरम, नई दिल्ली-110066


विषय : दिनांक 13/07/2024 की समाचार की कतरन (News Clippings) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतरन (News Clippings) अवलोकन हेतु प्रस्तुत हैं :

संलग्न : उपरोक्तानुसार


15/07/2024
(सहायक निदेशक) EAD (HM)

उपनिदेशक


15/07/2024

निदेशक (बा.प.प्र.)

The Hindu - 13/07/2024

Kaziranga's women forest guards ensure a safe passage for flood-hit animals by patrolling highway

Rahul Karmakar
GUWAHATI

Least number of animals have been run over by vehicles in the first year of the deployment of women forest guards for patrolling a highway adjoining the Kaziranga National Park and Tiger Reserve.

Record deluge

The 1,307.49 sq. km tiger reserve, considered the world's safest address for the one-horned rhino, recorded the highest level of flood – 87.47 metres – in a decade on July 1 this year. The flood, this year killed 174 animals, two of which died after speeding vehicles hit them on National Highway 715.

The highway stretches for about 60 km along the southern edge of Kaziranga



Kaziranga's women forest guards engaged in flood management and patrolling. SPECIAL ARRANGEMENT

National Park. During floods, the animals flee to the hills of the Karbi Anglong district on the other side of the park. Speed guns and cameras are installed at some of the nine animal corridors on this highway where vehicles are not allowed to move at speeds beyond 40 km per hour.

"Kaziranga has 108 women forest guards and foresters 1 (equivalent to sub-inspector) posted since September 2023. While they are well trained, they have been engaged in active flood management and patrolling of the highway to regulate the traffic and ensure the safety of the animals," the park's Di-

rector, Sonali Ghosh, told *The Hindu*.

The team of women forest frontline staff, including four with the Special Rhino Protection Force, was named Van Durga by Prime Minister Narendra Modi in March.

Test of survival

Forest officials said the annual floods, necessary for Kaziranga's landscape, are a test of the survival of the fittest animals. "Many animals drown but their death due to vehicle hits while crossing the highway is unacceptable, and we put in a lot of effort to avoid such cases," a frontline forest worker said.

Flood-related deaths of the Kaziranga animals are recorded under four categories – drowning, died under care, vehicle hits, and

others. Drowning claimed 158 animals, including 10 rhinos, 13 died under care, vehicles hit two hog deer, and an otter pup died of "other reasons".

Records maintained by the tiger reserve authorities show no animal died in 2018, a "low-flood" year for Kaziranga. Between 2019 and 2023, a total of 68 animals were killed by vehicles, 22 of them in 2022.

"Our male counterparts helped us overcome our inexperience in dealing with the flood-hit animals. Our responsibility included patrolling the highway, slowing down vehicles, and avoiding conflicts between humans and animals escaping the flooded park," Monisha Das, a forester 1 and marathoner stationed in Kaziranga's Bagori Range said.

नवभारत टाइम्स - 13/07/2024

पानी भरने से कई मकानों में आई दरारें, फर्श भी धंसा

Anindya Chattopadhyay

■ राजेश पोद्दार, बवाना

बवाना जेजे कॉलोनी में भरा मुनक नहर का पानी तो निकल गया है, लेकिन अब लोगों के सामने कई परेशानियां खड़ी हो गई हैं। लोगों का कहना है कि यहां पानी ने न सिर्फ उन्हें परेशानियों में डाला, बल्कि उन्हें आर्थिक बोझ भी दे दिया है। लोगों का दावा है कि यहां करीब आधा दर्जन मकानों में दरारें आ गई हैं और उनके घरों का फर्श धंस गया है, जो आने वाले दिनों में उनके लिए खतरे की वजह बन सकते हैं। वहीं यहां गलियों में काम करने वाले, ई-रिक्शा चलाने वाले, छोटे दुकानदारों को भी काफी नुकसान हुआ है। कई लोगों के

जेजे कॉलोनी से पानी निकलने के बाद बढ़ी दिक्कतें

ई-रिक्शा पानी की वजह से खराब हो गए हैं। J ब्लॉक के मकान नंबर 297 में रहने वाले प्रहलाद ने बताया कि पानी तो निकल गया है, लेकिन उनके घर का फर्श धंस गया है। दीवारों में दरारें आ गई हैं। इसके कारण उन्हें अब अपने घर की मरम्मत करानी होगी। घर की नींव में पानी भरने की वजह से फर्श नीचे बैठ गया है।

मकान नंबर 41 में रहने वाली रीना ने बताया कि पानी निकालने के साथ ही घर में दरारें दिखाई देने लगी हैं। घर नीचे की तरफ बैठ रहा है। घर के बीचो-बीच फर्श में गड्ढा बन रहा है।



जेजे कॉलोनी के पार्कों में अब भी भरा है पानी

■ एनबीटी न्यूज, बवाना: मुनक नहर की रिपेयरिंग के बाद इसे पूरी तरीके से चालू होने में एक दिन का और समय लग सकता है। दूसरी तरफ गुरुवार की रात से कॉलोनी में भरे पानी के निकलने का सिलसिला शुरू हो गया है। देर रात तक पानी पूरे तरीके से निकल गया था। इसके बाद अब यहां पर गलियों में कीचड़ जमा है, जिससे बदबू आ रही है। इसे लोगों की तरफ से ही साफ किया जा रहा है। इसके साथ ही पार्कों में भी पानी भरा हुआ है। उसे निकलने में शायद एक दिन का और समय लग सकता है। प्रशासन की तरफ से यहां मेडिकल कैप लगाया गया, जिससे जरूरतमंद लोगों को प्राथमिक उपचार मिल सके और किसी भी तरह की बीमारी को फैलने से रोका जा सके।